पुनरावृत्ति कार्य पत्र-1

नाम _____ कक्षा _____

अनुक्रमांक _____ तिथि _____ शिक्षक/शिक्षिका के हस्ताक्षर

निर्धारित समय : 30 मिनट **अधिकतम अंक : 10**

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यान से पढ़िए तथा पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5 × 2 = 10**

I. संसार में अमरता ऐसे ही लोगों को मिलती है, जो अपने पीछे कुछ आदर्श छोड़ जाते हैं, जिनका स्थायी मूल्य होता है। अधिकतर यही देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति संपन्न परिवार में बहुत कम पैदा होते हैं। अधिकांश ऐसे लोगों का जन्म मध्यम वर्ग या गरीब परिवारों में ही होता है।

मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट-सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन तथा सादा-सरल बनाते हैं। जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से करणीय हैं, प्रथम कठिन से कठिन परिस्थितियों में धैर्य को न छोड़ना, द्वितीय अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना।

सादगी का विचारों से भी घनिष्ठ संबंध है। हमें सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए। व्यक्ति की सच्ची पहचान उसके विचारों और करनी से होती है। मनुष्य के विचार उसके आचरण पर प्रभाव डालते हैं और उसके विवेक को जाग्रत रखते हैं। विवेकशील व्यक्ति ही अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है। सादा जीवन व्यतीत करनेवाले व्यक्ति को भी कभी हतप्रभ होकर अपने आत्मसम्मान पर आँच नहीं आने देनी चाहिए। सादगी मनुष्य के चरित्र का अंग है, वह बाहरी चीज़ नहीं है।

आज के भाग-दौड़ वाले जीवन में समाज का जीवन-दर्शन तथा जीवन-स्तर बदलता जा रहा है। आज कृत्रिमता ने हमें पूरी तरह जकड़ रखा है। हम आंतरिक सौंदर्य पर ध्यान देने की बजाए बाह्य आडंबरों पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। हमारे लिए यह बेहतर होगा कि हम भी अपने महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए कृत्रिमता से बचें तथा सरल एवं सादा जीवन व्यतीत करते हुए उच्च विचार रखें। सादा जीवन जीने वाले लोग तो मात्र अपनी ज़रूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और भौतिकवादी वस्तुओं के पीछे भागने से बचने की कोशिश करते हैं। उनका मन हमेशा सरल जीवन जीने के लिए लालायित रहता है। लेकिन, इसका अर्थ यह नहीं है कि इच्छाएँ रखना और सुखी जीवन जीने के लिए धन कमाना गलत है। सुख-चैन से रहने और अच्छे लाइफ़-स्टाइल के बीच एक अंतर होता है। कई ऐसे करोड़पति लोगों के उदाहरण मिल जाएँगे जो सादा जीवन जीते हैं और उच्च विचार रखते हैं। वे स्वयं पर अधिक खर्च करने की बजाय दान-पुण्य के कार्यों में अधिक खर्च करते हैं।

1. संसार में अमरता ऐसे ही लोगों को मिलती है–
   (क) जो अपने पीछे कुछ संपत्ति छोड़ जाते हैं। (ख) जो अपने पीछे कुछ आदर्श छोड़ जाते हैं।
   (ग) जिनका स्थायी मूल्य होता है। (घ) 'ख' एवं 'ग' दोनों
2. निम्न में से कौन-से गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन तथा सादा-सरल बनाते हैं?
   (क) विनय (ख) उदारता (ग) कष्ट-सहिष्णुता (घ) इनमें सभी
3. सादगी का घनिष्ठ संबंध है–
   (क) नैतिकता से (ख) शिक्षा से (ग) विचारों से (घ) मूल्यों से
4. किस प्रकार का व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है?
   (क) साहसी व्यक्ति (ख) सामाजिक व्यक्ति (ग) विवेकशील व्यक्ति (घ) उदार व्यक्ति

5. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए–

कथन (A) – आज कृत्रिमता ने हमें पूरी तरह जकड़ रखा है।

कारण (R) – हम आंतरिक सौंदर्य पर ध्यान देने की बजाए बाह्य आडंबरों पर अधिक ध्यान देने लगे हैं।

(क) कथन (A) सही है पर कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है पर कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है पर कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

II. मैं सोचता हूँ, स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई है। दुनिया की आधी से बड़ी ताकत उनके पास है। आधी तो इसलिए कहता हूँ कि दुनिया में स्त्रियाँ आधी तो हैं ही। आधी से बड़ी इसलिए कि बच्चे उनकी छाया में पलते हैं और वे जैसा चाहें, उन बच्चों को परिवर्तित कर सकती हैं। पुरुषों के हाथ में कितनी ही ताकत हो, लेकिन पुरुष भी एक दिन स्त्री की गोद में होता है, वहीं से वह अपनी यात्रा शुरू करता है।

जहाँ भी प्रेम, करुणा और दया हैं, वहाँ स्त्री मौजूद है। इसलिए मैं कहता हूँ कि स्त्री के पास आधी से भी बड़ी ताकत है और वह पाँच हज़ार वर्षों से बिलकुल सोई हुई है। नारी की शक्ति का कोई उपयोग नहीं हो सका है। भविष्य में यह उपयोग हो सकता है। उपयोग होने का एक सूत्र यही है कि स्त्रियाँ यह तय कर लें कि उन्हें पुरुषों जैसा नहीं बनना है।

हालाँकि आधुनिक युग की महिलाओं ने अपने अधिकारों के बारे में जाना है और अपने जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं लेने लगी है। आज की महिला कोमल और मधुर होने के साथ-साथ जागरूक भी है उसने अपने अंदर की नारी शक्ति को जागृत किया है और अन्याय का विरोध करना शुरू किया है। लेकिन फिर भी वह आज पूर्णतया सुरक्षित नहीं है। आज भी पुरुष वर्ग के कुछ लोग नारी को कमज़ोर और असहाय ही समझते हैं। वह नारी को मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना देते हैं, नारी का पल-पल अपमान करते हैं लेकिन ऐसे लोगों को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि अगर नारी की सहनशीलता खत्म हो गई और नारी ने शक्ति का रूप ले लिया तो उन लोगों के अस्तित्व को मिटाने से कोई भी नहीं बचा सकता। आज समाज के पढ़े-लिखे लोग लड़कियों की शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप शिक्षित महिलाएँ देश के विकास में अपना अहम योगदान दे रही हैं।

1. किसके पास एक महान शक्ति सोई हुई है?

(क) स्त्रियों के पास (ख) पुरुषों के पास (ग) महापुरुषों के पास (घ) ऋषि-मुनियों के पास

2. दुनिया में स्त्रियों के पास कितनी ताकत है?

(क) आधी (ख) आधी से भी बड़ी (ग) आधी से कम (घ) कुछ भी ताकत नहीं है

3. स्त्रियाँ किन्हें जैसा चाहे वैसा परिवर्तित कर सकती हैं?

(क) पुरुषों को (ख) बच्चों को (ग) नवयुवकों को (घ) बूढ़ों को

4. स्त्री वहाँ मौजूद है, जहाँ–

(क) प्रेम है (ख) करुणा है (ग) दया है (घ) इनमें सभी

5. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए–

कथन (A) – आज समाज के पढ़े-लिखे लोग लड़कियों की शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

कथन (R) – शिक्षित महिलाएँ देश के विकास में अपना अहम योगदान दे रही हैं।

(क) कथन (A) सही है पर कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है पर कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है पर कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

पुनरावृत्ति कार्य पत्र-2

नाम _____ कक्षा _____

अनुक्रमांक _____ तिथि _____ शिक्षक/शिक्षिका के हस्ताक्षर

निर्धारित समय : 40 मिनट **अधिकतम अंक : 20**

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10 × 2 = 20**

I. कहने को चाहे भारत में स्वशासन हो और भारतीयकरण का नारा हो, किंतु वास्तविकता में सब ओर आस्थाहीनता बढ़ती जा रही है। मंदिरों, मसजिदों, गुरुद्वारों या चर्च में बढ़ती भीड़ और प्रचार माध्यमों द्वारा मेलों और पर्वों के व्यापक कवरेज से आस्था के संदर्भ में कोई भ्रम मत पालिए; क्योंकि यह सब उसी प्रकार भ्रामक है, जैसे 'लगे रहो मुन्ना भाई की गांधीगिरी'।

वास्तविक जीवन में जिस आचरण की अपेक्षा व्यक्ति या समूह से की जाती है, उसकी झलक तक पाना मुश्किल हो गया है। गांधी को 'गिरी' के रूप में आँकने के सिनेमाई कथानक का कोई स्थायी प्रभाव हो भी नहीं सकता। फ़िल्म उतरी और प्रभाव चला गया। गांधी को बाह्य आवरण से समझने के कारण वर्षों से हम दो अक्तूबर और तीस जनवरी को कुछ आडंबर अवश्य करते चले आ रहे हैं, लेकिन जिन जीवन-मूल्यों के प्रति आस्थावान होने की हम सौगंध खाते हैं और उन्हें आचरण में उतारने का संकल्प व्यक्त करते हैं, उसका लेशमात्र प्रभाव भी हमारे आसपास के जीवन में प्रतीत नहीं होता।

1. लेखक की दृष्टि में आस्था के संबंध में क्या-क्या भ्रमात्मक है?

.....

.....

2. लेखक की दृष्टि में गांधी को लोगों ने किस रूप में समझा है तथा उसके क्या परिणाम हुए हैं?

.....

.....

3. गांधी जी के प्रति सच्ची आस्था के स्थान पर लोग कौन-से आडंबर करते चले आ रहे हैं?

.....

.....

4. फ़िल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' की गांधीगीरी लेखक की दृष्टि में क्या है तथा क्यों?

.....

.....

5. मुन्नाभाई की गांधीगिरी की तुलना लेखक ने किससे की है?

.....

6. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

.....

II. मनुष्य जन्म से ही अहंकार का इतना विशाल बोझ लेकर आता है कि उसकी दृष्टि सदैव दूसरों की बुराइयों पर ही टिकती है। आत्मनिरीक्षण को भुलाकर साधारण मानव केवल परछिद्रान्वेषण में ही अपना जीवन बिताना चाहता है। इसके मूल में उसकी ईर्ष्या की दाहक दुष्प्रवृत्ति कार्यशील रहती है। दूसरे की सहज उन्नति को वह अपनी ईर्ष्या के वशीभूत होकर पचा नहीं पाता और उसके गुणों को अनदेखा करके केवल दोषों और दुर्गुणों को ही प्रचारित करने लगता है। इस प्रक्रिया में वह इस तथ्य को भी विस्मृत कर बैठता है कि ईर्ष्या का दाहक स्वरूप स्वयं उसके समय, स्वास्थ्य और सद्वृत्तियों के लिए कितना विनाशकारी सिद्ध हो रहा है। परनिंदा को हमारे शास्त्रों में पाप बताया गया है। वास्तव में मनुष्य अपनी न्यूनताओं, अपने दुर्गुणों की ओर दृष्टि उठाकर देखना भी नहीं चाहता, क्योंकि स्वयं को पहचानने की यह प्रक्रिया उसके लिए बहुत कष्टकारी है।

1. परछिद्रान्वेषण का दुष्परिणाम क्या होता है?

   .....

   .....

2. सामान्य-जन किन बातों में अपना जीवन बिताना चाहता है तथा इसका मूल कारण क्या है?

   .....

   .....

3. परनिंदा के बारे में हमारे शास्त्रों में क्या कहा गया है तथा इससे व्यक्ति कैसे मुक्त हो सकता है?

   .....

   .....

4. 'दुष्प्रवृत्ति' शब्द से उपसर्ग तथा मूल शब्द अलग करके लिखिए।

   .....

5. व्यक्ति की स्वयं को पहचानने की कौन-सी प्रक्रिया बहुत कष्टकारी है?

   .....

6. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

   .....